www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

सत्यमेव जयते

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

रोज़गार समाचार

सामाहिक

खंड 44 अंक 48 पृष्ठ 32 | नई दिल्ली 29 फरवरी - 6 मार्च 2020 | ₹ 12.00

परिचालन प्रबंधन में रोज़गार के अवसर

विजय प्रकाश श्रीवास्तव

कई अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी अध्ययन के अनेक क्षेत्र हैं. प्रबंधन के विद्यार्थियों को अनिवार्यतः सामान्य प्रबंधन के अंतर्गत आने वाले विषयों और सिद्धांतों का अध्ययन करना होता है और साथ ही प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों का विहंगावलोकन करना होता है. परन्तु, प्रबंधन की किसी विशेष शाखा में विशेषज्ञता के लिए दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा उत्तीर्ण करने का प्रावधान है. प्रबंधन की जानी-मानी शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं. ऑपरेशन या परिचालन प्रबंधन एक कम ज्ञात प्रबंधन विषय है, लेकिन यह आम तौर पर चर्चा किए जाने वाले प्रबंधन के विषयों की तुलना में कम महत्वपूर्ण नहीं है.

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से उसकी सामग्री और श्रम को कुशल तरीके से वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है. यह उपलब्ध संसाधनों का अधिग्रहण और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम स्तर पर पहुंचाता है जिसमें कच्चा माल, कार्मिक, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य शामिल हैं. इसका अधिक सरोकार नियोजन, डिजाइनिंग, आयोजना, नियंत्रण और उत्पादन की प्रक्रिया के अनुकूलन के साथ है. परिचालन प्रबंधन सुनिश्चित करता है कि कोई इकाई निवेश को कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक उत्पादन में तब्दील करे. इससे यह स्पष्ट है कि परिचालन प्रबंधन वितरण उन्मुखी है.

परिचालन प्रबंधन की सफलता उत्पादन कार्यक्रम के सख्त अनुपालन में निहित होती है, जिसमें लक्षित उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा महत्वपूर्ण होती है.

संचालन प्रबंधन को रसद प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए. संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है. रसद प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, संचलन और स्थापन की योजना, क्रियान्वयन और नियंत्रण है. रसद प्रबंधन को माल-सूची या इन्वेंट्री (किसी भी प्रकार की) के प्रबंधन के रूप में भली-भांति परिभाषित किया जा सकता है.

विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को परिचालन प्रबंधन कार्यों की आवश्यकता होती है जो किसी प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक कवर करता है. विनिर्माण उद्योग दशकों और सदियों से फल-फूल रहे हैं. अब सेवा क्षेत्र में बढ़ोतरी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं. संचालन प्रबंधन पेशेवर के रूप में, आप किसी संगठन के प्रदर्शन, लाभप्रदता और ग्राहक सेवा में बहुमूल्य योगदान कर सकते हैं. इस उद्देश्य के साथ इच्छुक युवा, प्रबंधन की इस शाखा में कॅरिअर के अवसरों का पता लगा सकते हैं.

पाठ्यक्रमः परिचालन प्रबंधन स्वयं भी एक व्यापक क्षेत्र है. इस विषय के विद्यार्थी के रूप में आपको अन्य विषयों के साथ निम्नांकित क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना होगा -

अनुभागों की आयोजना
औद्योगिक इंजीनियरी अवधारणाएं
परिचालन अनुसंधान
संभारतंत्र प्रबंधन
वित्तीय लेखांकन
उत्पादन आयोजना और नियंत्रण
औद्योगिक और प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
सामग्री प्रबंधन
व्यापार पूर्वानुमान
विनिर्माण प्रणाली
सेवा संचालन
व्यापार नैतिकता
आपूर्ति शृंखला प्रबंधन
स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी मुद्दे
विपणन प्रबंधन
दबाव सिद्धांत (थ्योरी ऑफ कंस्ट्रेंट्स)
उद्यम संसाधन आयोजना
सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन
संचालन प्रबंधन के संबंध में औद्योगिक संबंध और मानव संसाधन

अध्ययन कैसे करें

परिचालन प्रबंधन में विशेषज्ञता का विकल्प हर प्रबंधन संस्थान के पास उपलब्ध नहीं है. इसलिए, जो लोग इस विशेष शाखा में अर्हता प्राप्त करने के इच्छुक हैं, उनके लिए यह आवश्यक होगा कि वे अपनी पसंद के संस्थान में विशेषज्ञता के रूप में संचालन प्रबंधन की उपलब्धता की पुष्टि करें. कई मामलों में विकल्प उत्पादन/निर्माण और/या संचालन प्रबंधन के रूप में एक अलग नामकरण के साथ उपलब्ध है. इंजीनियरी स्नातक, विशेष रूप से मैकेनिकल और ऑटोमोबाइल जैसी शाखाओं से संबद्ध स्नातक, जो प्रबंधन में योग्यता प्राप्त करने के इच्छुक हों, वे संचालन प्रबंधन में विशेषज्ञता के बारे में सोच सकते हैं.

देश में निम्नलिखित संस्थान परिचालन प्रबंधन में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्रदान करते हैं-

- भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद/ बेंगलुरु/लखनऊ/रोहतक/विशाखापत्तनम/ काशीपुर
- शैलेश जे मेहता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), मुंबई
- विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी, खड़गपुर
- एसएसएम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कम्प्यूटर ऐप्लिकेशन्स, कोमारपलायम, तमिलनाडु
- लोयोला इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, चेन्नै
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग (एनआईटीआईई), मुंबई
- एस पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैंट एण्ड रिसर्च, मुम्बई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ ऑपरेशंस मैनेजमेंट, नासिक
- जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद
- टी ए पाई प्रबंधन संस्थान, मणिपाल
- प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुड़गांव
- लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान, दिल्ली
- अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै
- वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई
- बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल
- पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय, उदयपुर
- सीएमजे विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय
- एल एम थापर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहाली, पंजाब
- सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
- पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
- त्यागराज स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मदुरै
- एलायंस स्कूल ऑफ बिजनेस, बेंगलुरु
- प्रबंधन अध्ययन विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची
- अमृता स्कूल ऑफ बिजनेस, कोयंबटूर
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमैंट स्ट्डीज, मुम्बई
- कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
- रावेन्शॉ बिजनेस स्कूल, कटक
- उत्तर ओडिशा विश्वविद्यालय, बारीपाड़ा
- मोतीलाल नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
- काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम

आईआईएम, लखनऊ और कुछ अन्य संस्थान परिचालन क्षेत्र में प्रबंधन में फेलो प्रोग्राम/डॉक्टरेट प्रदान करते हैं.

उपर्युक्त सूची सांकेतिक है और किसी विशेष क्रम में नहीं है.

विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति, अपनी पसंद के अनुसार, ब्रिटेन या किसी अन्य विकसित देश में किसी भी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से परिचालन प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि पूरी कर सकते हैं. संयुक्त राज्य अमरीका में कुछ विकल्प हैं- एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, मैरीलैंड यूनिवर्सिटी, मिसौरी स्टेट यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ आईओडब्ल्यूए, टेक्सास यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ कैलिफोर्निया, फेयरफील्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ तालेडो आदि. ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल कुछ नाम इस प्रकार हैं- यूनिवर्सिटी ऑफ चौस्टर, स्वानसी यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लिंकन, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, बार्डफोर्ड विश्वविद्यालय, हड्र्सफील्ड विश्वविद्यालय, ग्लासगो कैलोनियन विश्वविद्यालय आदि.

विदेशी शिक्षा पर खर्च बहुत अधिक होता है, इसलिए लागत लाभ विश्लेषण करना बेहतर होगा, छात्रवृत्ति और रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करें, जो आपकी लागत को कम कर सकते हैं.

व्यावसायिक संभावनाएं और रोज़गार के अवसर

संचालन प्रबंधकों के लिए अर्थव्यवस्था की स्थिति और रोज़गार के अवसरों के बीच सीधा संबंध है. एक जीवंत अर्थव्यवस्था में जब उच्च मांग और खपत के साथ औद्योगिक विकास में तेजी होती है, तो संचालन व्यवसायियों की आवश्यकता अधिक होगी. नीचे कुछ भूमिकाएं/कार्य क्षेत्र दिए गए हैं जो संचालन प्रबंधन में योग्य लोगों के लिए उपलब्ध हैं.

मालसूची प्रबंधन/मालसूची जिसे इन्वेंटरी कहा जाता है, का अर्थ है उत्पादन/निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री और उसकी लागत का ब्यौरा. इस लागत के अलावा, अतिरिक्त लागत भी होती हैं. इनमें भंडारण, ब्याज और अन्य लागत शामिल हैं. लाभ को अधिकतम करने के लिए सभी स्तरों पर अनावश्यक लागत से बचना चाहिए. इन्वेंट्री लागत को न्यूनतम इन्वेंट्री को ध्यान में रखकर कम किया जा सकता है जिसे इन्वेंट्री मैनेजर द्वारा ध्यान में रखा जाता है. जापान में उत्पन्न इन्वेंट्री प्रबंधन की बस-इन-टाइम पद्धति, भारतीय कंपनियों द्वारा भी अपनाई गई है. एक इन्वेंट्री मैनेजर के रूप में आप ऐसे तरीकों के साथ काम करेंगे.

आपूर्ति शृंखला प्रबंधनः एससीएम के नाम से बेहतर ज्ञात, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन का संबंध माल एवं सेवाओं के संचालन के साथ है. किसी भी उत्पादन या सेवा गतिविधि के लिए अनुक्रम होना आवश्यक है. आपूर्ति शृंखला प्रबंधक सर्वाधिक कुशल अनुक्रम तैयार करने/उसकी पहचान करने का प्रयास करता है, जो समय और धन बचा सके. आपूर्ति एक छोर पर खरीद और दूसरे पर वितरण से संबंधित हैं. यहां प्रबंधक समय पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद करने और उन्हें उत्पादन स्थल तक पहुंचाने के काम में शामिल हो सकते हैं. उत्पादन तैयार होने के बाद अगला कदम उसे वितरण की पंक्ति में डालने का होता है. किसी भी आपूर्ति शृंखला प्रबंधक की सफलता को आपूर्ति चक्र की लंबाई के संदर्भ में मापा जाता है. छोटे चक्र बेहतर माने जाते हैं.

संभारतंत्र प्रबंधनः व्यापक रूप से लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट सप्लाई चेन मैनेजमेंट का एक कार्य है, जिसका उद्देश्य 'प्रारंभिक बिन्दु से लेकर अंतिम लक्ष्य' तक वस्तुओं और सेवाओं के नियोजन, क्रियान्वयन और परिवहन एवं भंडारण पर नियंत्रण के विभिन्न चरणों में ग्राहकों की जरूरतें पूरी करना है. समुचित संभारतंत्र प्रबंधन समय और धन की बचत के साथ, ग्राहक सेवा में सुधार लाने में भी योगदान देता है. यह लक्ष्य हासिल करने के लिए संभारतंत्र प्रबंधकों को आपूर्तिकर्ता, वितरण एजेंट आदि विभिन्न बिचौलियों के साथ समन्वय करने की आवश्यकता पड़ती है.

उत्पादन प्रबंधनः उत्पादन अनुभाग की कार्यप्रणाली उत्पादन स्तर तक के प्रयासों की व्यावसायिक सफलता (या विफलता) को निर्धारित करती है. उत्पादन अनुभाग के उचित तरीके से काम करने के लिए, कई घटकों का ध्यान रखना होगा. इनमें कुशल मजदूरों

(शेष पृष्ठ 30 पर)

परिचालन प्रबंधन ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

और पर्यवेक्षण कर्मचारियों की उपलब्धता, कच्चा माल, मशीनरी, बिजली और निश्चित रूप से तैयार माल और अपव्यय का निपटान शामिल हैं. किसी भी उत्पादन प्रबंधक को यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत समन्वय करना पड़ता है कि ये सभी आवश्यकताएं पूरी की जायें और उत्पादन योजनाबद्ध संख्या में, वांछित गति से और गुणवत्ता पूर्ण वस्तुओं का हो.

उपर्युक्त के अलावा विभिन्न प्रकार की अन्य भूमिकाओं, जैसे खरीद प्रबंधक, प्लांट मैनेजर, सर्विसेज सपोर्ट मैनेजर, मैटीरियल मैनेजर, चैनल मैनेजर, वेयरहाउस मैनेजर, क्वालिटी कंट्रोल मैनेजर आदि भी ऑपरेशन प्रबंधन पेशेवरों के लिए उपलब्ध हैं. कुछ अनुभव होने पर आपको बिजनेस प्रोसेस री-इंजीनियरी में भी भूमिका की पेशकश की जा सकती है.

अतिरिक्त पाठ्यक्रम/अध्ययनः आपकी रुचि और जिस विशेष क्षेत्र में आप काम करना चाहते हैं, उसके आधार पर, आप अतिरिक्त पाठ्यक्रमों और/या प्रमाणपत्रों के लिए जा सकते हैं. उदाहरण के लिए आपूर्ति शृंखला प्रबंधन या एसएपी में एक कोर्स किया जा सकता है. सेवारत पेशेवरों के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम/प्रमाणपत्र काम आ सकते हैं.

आईटी अनुप्रयोगों के साथ काम करने के इच्छुक लोगों को, एसएपी में योग्यता संचालन प्रबंधन व्यवसाय में जगह दिला सकती है. एसएपी का अर्थ है सिस्टम, एप्लिकेशन और प्रोडॅक्ट (डेटा प्रोसेसिंग में), जिसका संक्षिप्त रूप जर्मनी में विकसित किया गया था, जो एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) में व्यापक मदद करता है. यह परिवहन, गोदाम और आपूर्ति सहित एक उद्योग में विभिन्न गतिविधियों/कार्यों को एकीकृत करने के लिए प्रोग्राम किया गया है. यदि आप एसएपी पाठ्यक्रम में शामिल होने जा रहे हैं, तो अपने संस्थान का चयन सावधानी से करें, जो उचित शुल्क के साथ गुणवत्ता, मान्यताप्राप्त प्रशिक्षण प्रदान करता हो.

ई-कॉमर्स/व्यापार में किसी बेहतर योग्यता का उपयोग भी संचालन प्रबंधन में कॅरिअर के लिए किया जा सकता है.

काम कहां करें

आप परिचालन प्रबंधन में अपनी योग्यता के साथ तैयार हैं. अब अगला सवाल स्वाभाविक है कि काम कहां मिलेगा. उत्पादन/विनिर्माण/अन्वेषण/भवन निर्माण में संलग्न किसी भी मध्यम या बड़े उद्योग को संचालन पेशेवरों की आवश्यकता होगी. इसे ध्यान में रखते हुए संभावित नियोक्ताओं की सूची में शामिल हैं - निर्माण और रीयल एस्टेट कंपनियां, मुद्रण और प्रकाशन उद्योग, अनुभाग प्रबंधन, हेल्थकेयर (अस्पतालों और दवा निर्माताओं सहित), पेट्रोलियम और गैस उद्योग, ऑटोमोबाइल (कार/ट्रक/ मोटरबाइक्स/ स्कूटर/थ्री व्हीलर/साइकिल), विनिर्माण संयंत्र, दूध और डेयरी उत्पादन इकाइयां, इस्पात और अन्य धातु संयंत्र, रेलवे, एयरलाइंस, शिपिंग उद्योग/पोर्ट, होटल, पेंट और रसायन निर्माता, ऊर्जा जिसमें हरित और नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियां शामिल हैं. इस प्रकार हर बड़े विनिर्माण उद्योग को संचालन प्रबंधकों की आवश्यकता होगी. परन्तु, परिचालन संबंधी नौकरियां सिर्फ विनिर्माण कंपनियों तक सीमित नहीं हैं. कई अन्य सेवा प्रदाताओं को भी परिचालन व्यवसायियों की आवश्यकता होती है. उदाहरण के लिए दिसंबर 2019 के अंतिम सप्ताह में, केंद्रीय चिकित्सा सेवा सोसायटी, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, ने महाप्रबंधक (रसद और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन) के पद के लिए विज्ञापन दिया है. यह सही है कि यह पद अनुभवी व्यक्ति के लिए है और किसी नए व्यवसायी के लिए नहीं है. सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बामर लॉरी लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में एक बड़ी कंपनी है. निजी क्षेत्र की कुछ कंपनियां विशेष रूप से परिचालन और लॉजिस्टिक्स में काम कर रही हैं.

इंजीनियरी/प्रबंधन कॉलेजों/ विश्वविद्यालयों में शिक्षण के अवसर भी उपलब्ध हैं.

सफलता के लिए अपेक्षित गुण

ऑपरेशन प्रबंधन के क्षेत्र में व्यवसाय के साथ न्याय करने के लिए, व्यक्तित्व संबंधी कुछ गुण काफी मदद कर सकते हैं. सबसे पहले यह व्यवसाय बहिर्मुखी लोगों के अधिक अनुकूल है. आपको अपना पक्ष रखने के लिए बेहतर अभिव्यक्ति क्षमता के साथ प्रभावशाली व्यक्ति होना चाहिए. आपको जटिल मानसिकता वाले लोगों सहित सभी प्रकार के लोगों से निपटने में सक्षम होना चाहिए. आपको एक नजर में चीजों को व्यापक रूप में समझने और शीघ्र निर्णय करने में समर्थ होना चाहिए. एक समय में आपको कई कार्यों में भाग लेने में सक्षम होना चाहिए, अतः आपको एक अच्छा समय प्रबंधक होने की आवश्यकता है. यदि आपके पास उपरोक्त में से एक या अधिक की कमी है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको संचालन प्रबंधन में कॅरिअर की तलाश नहीं करनी चाहिए. विचार यह है कि काम करते रहने के साथ आपको इन गुणों को विकसित करना चाहिए, क्योंकि इनमें से कोई भी गुण जन्मजात नहीं होता.

संभावनाएं

अर्थव्यवस्था के वर्तमान परिदृश्य पर अलग-अलग राय हैं. कई अर्थशास्त्री स्वीकार करते हैं कि मंदी है, जबकि अन्य लोग इस मंदी को चक्रीय पाते हैं और जल्द ठीक होने की उम्मीद करते हैं. राष्ट्र की आर्थिक स्थिति के बावजूद, खपत का एक निश्चित स्तर हमेशा बना रहता है और इस तरह औद्योगिक संचालन और उत्पादन गतिविधियां फलने-फूलने लगेंगी. बहाली के अवसरों में वृद्धि होना तय है. कई बड़े उपाय हैं जो परिचालन प्रबंधन पेशेवर की बढ़ती मांग को इंगित करते हैं. मेक इन इंडिया, स्मार्ट सिटीज प्रोजेक्ट, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम इनमें प्रमुख हैं.

ऐसी परिस्थितियां भी हो सकती हैं जब किसी व्यक्ति को सामान्य प्रबंधन भूमिका के लिए रखा जाता है, उसे तैयार किया जाता है और फिर उसे संचालन प्रबंधन कार्य में स्थानांतरित कर दिया जाता है.

हमें इस तथ्य पर ध्यान देना होगा कि अर्थव्यवस्था का भौतिक हिस्सा किसी भी रूप में, समय और स्थान की आवश्यकताओं के अनुसार, वस्तुओं के उत्पादन, परिवहन और खपत पर पनपता है. इस पर विचार करते हुए यह आसानी से देखा जा सकता है कि परिचालन और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के पास एक बड़ा क्षेत्र है जिसमें श्रमिकों से लेकर प्रबंधकों तक की श्रमशक्ति की भारी आवश्यकता होती है. इस लेख में हमने केवल प्रबंधकीय रोज़गार की बात की है. चूंकि ई-कॉमर्स माल की अधिक आवाजाही का प्रयास करता है, इसलिए संचालन प्रबंधन के लोगों के लिए बड़े अवसर पैदा होंगे. ग्रामीण बाजारों का विस्तार, बढ़ते औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की प्रवृत्तियों को देखते हुए परिचालन प्रबंधन में रोज़गार की अच्छी संभावनाएं हैं.

लेखक मुंबई स्थित कॅरिअर काउंसलर हैं.
ईमेलः v2j25@yahoo.in

व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.

(चित्रः गूगल के सौजन्य से)